महाराज जी के राज्याभिषेक
जाने वाले हिन्दू साम्राज्य दि
हार्दिक बधाई एवं शुभकामन

तीन साल में मोतियाबिंद के दो लाख आपरेशन किए जाएंगे

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य को किया जा रहा दृष्टि विहीनता से मुक्त

राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम एवं दृष्टिविहीनता (एनपीसीबी) का असर उत्तराखंड में भी देखने को भी मिल रहा है। इसके तहत प्रदेश में दृष्टिहीनता से ग्रसित व्यक्तियों में कमी आ रही है।

भारत सरकार के नेत्र ज्योति अभियान के तहत आगामी तीन वर्षों (2022 से 25) में राज्य में मोतियाबिंद आपरेशन कर प्रदेश को अंधता और गंभीर दृष्टिविहीनता से ग्रसित लोगों को मुक्त किया जाना है। इस अभियान के बारे में एनएचएम की निदेशक डा. सरोज नैथानी ने बताया कि देश में अंधता का प्रसार 0.36 प्रतिशत है। 2015-18 की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड में 50 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग 66 हजार व्यक्ति अंधता व 64 हजार व्यक्ति नेत्रों के गंभीर रोग का सामना कर रहें हैं। अनुमान है कि अंधता व नेत्रों के गंभीर रोग से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या में प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। डा. नैथानी ने बताया कि राज्य को अगले तीन वर्षों के लिए दो लाख 15 हजार 400 मोतियाबिंद के आपरेशन करने का लक्ष्य मिला है। इसमें 2022-23 में 59,800 मोतियाबिंद के आपरेशन किए जाने हैं।

इसमें अल्मोडा को 2200, बागेश्वर को 2000, चमोली को 2000, चंपावत को 1800, देहरादून को 10,000, हरिद्वार को 11,000, नैनीताल को 5800, पौड़ी को 6000, पिथौरागढ़ को 2000, रुद्रप्रयाग को 3000, टिहरी को 2800, ऊधमसिंहनगर को 8500 और उत्तरकाशी को 2700 मोतियाबिंद के आपरेशन करने का लक्ष्य दिया गया है। बताया कि राज्य में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के लिए कार्ययोजना तैयार है। इसके लिए सभी विकाखंडो में चिह्नित व्यक्तियों को नेत्र सहायक द्वारा स्क्रीनिंग कर जिला व उप जिला चिकित्सालयों में प्रतिदिन उपचार हेतु संदर्भित किया जाएगा। सभी राजकीय चिकित्सालयों में जहां पर नेत्र देखभाल से संबंधित सेवाएं प्रदान की जाती है वहां पर मानव संसाधन की तैनाती सुनिश्चित करते हुए प्रतिदिन मोतियाबिंद के आपरेशन कर ब्योरा एनपीसीबी के पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। गैर-सरकारी संगठनों को अनुबंधित करते हुए मोतियाबिंद आपरेशन किए जाएंगे।

निजी चिकित्सालयों व आयुष्मान भारत तथा अन्य किसी बीमा योजना के अंतर्गत अनुबंधित चिकित्सालय जो कि नेत्र देखभाल से संबंधित सेवाएं प्रदान कर रहें है उन्हें भी एनपीसीबीबीआई पोर्टल पर मोतियाबिंद आपरेशन का ब्योरा अपलोड करना अनिवार्य होगा।

खाद्य तेल का तीन बार से अधिक

तीन साल में मोतियाबिंद के 2.25 लाख ऑपरेशन होंगे

अमर उजाला ब्यूरो

राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के तहत केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को दिया लक्ष्य

देहरादून। उत्तराखंड को तीन साल में 2025 तक सवा दो लाख मोतियाबिंद आपरेशन करने होंगे। राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के तहत केंद्र सरकार ने राज्य को यह लक्ष्य दिया है। चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में 59800 मोतियाबिंद के आपरेशन किए जाएंगे। हर साल अंधता और गंभीर नेत्र रोगियों की संख्या 20 प्रतिशत बढ़ रही है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक डॉ. सरोज नैथानी ने बताया कि राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम एवं दृष्टिविहीनता (एनपीसीबी) का असर उत्तराखंड में भी देखने को भी मिल रहा है। इसके तहत प्रदेश में दृष्टिहीनता से ग्रसित व्यक्तियों में कमी आ रही है। केंद्र सरकार के नेत्र ज्योति अभियान के तहत आगामी तीन वर्ष 2025 तक राज्य में मोतियाबिंद आपरेशन करने का लक्ष्य रखा है। जिससे प्रदेश को अंधता और गंभीर दृष्टिविहीनता से ग्रसित लोगों को मुक्त जा सके।

वर्तमान में देश में अंधता का प्रसार 0.36 प्रतिशत है। 2015 से 2018 की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड में 50 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग 66 हजार व्यक्ति अंधता और 64 हजार लोग आंखों के गंभीर रोग का सामना कर रहे हैं। राज्य को आगामी तीन वर्षों में 2.15 लाख से अधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन का लक्ष्य मिला है। इसमें इस साल 59 हजार 800 आपरेशन किए जाएंगे। अल्मोड़ा को 2200, बागेश्वर 2000, चमोली 2000, चंपावत 1800, देहरादून 10000, हरिद्वार 11000, नैनीताल 5800, पौड़ी गढ़वाल 6000, पिथौरागढ़ 2000, रुद्रप्रयाग 3000, टिहरी गढ़वाल 2800, ऊधमसिंह नगर 8500 व उत्तरकाशी जिले के 2700 आपरेशन का लक्ष्य तय किया गया है।

उन्होंने बताया कि राज्य में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान को सफल बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। सभी विकासखंडों में चिन्हित व्यक्तियों को नेत्र सहायक के माध्यम से स्क्रीनिंग कर जिला, उपजिला चिकित्सालयों में प्रतिदिन उपचार किया जाएगा। जिन सरकारी अस्पतालों में नेत्र रोग की सेवाएं दे जा रही है, वहां पर अतिरिक्त स्टाफ तैनात प्रतिदिन आपरेशन किए जाएंगे। जिसकी रिपोर्ट एनपीसीबीवीआई पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। इसके अलावा आयुष्मान योजना व अन्य बीमा योजना में सूचीबद्ध निजी अस्पतालों को मोतियाबिंद आपरेशन की रिपोर्ट देनी होगी।

लगा। इस पर लेमन साडी दुकान के मालिक ने युवकों को पेड़ पर चढ़ने से रोका। इस बीच दोनों पक्षों में विवाद

तक दोनों पक्षों ने हंगामा किया। तनाव बढ़ता देख क्षेत्र में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। देर रात दोनों पक्षों की

देहरादून की और भी खबरें पढ़ें
www.jagran.com

लगाया कि विधायक नहीं चाहते कि व्यापारियों को सुविधा मिले। बैठक में सुरेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।(जासं)

तीन साल में 2.15 लाख व्यक्तियों की लौटेगी रोशनी

जागरण संवाददाता, देहरादून: राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के तहत आगामी तीन वर्षों (2022-25) में राज्य में मोतियाबिंद के 2.15 लाख आपरेशन किए जाएंगे। जिसकी कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। जिसके तहत निजी चिकित्सालयों को भी अनिवार्य रूप से मोतियाबिंद के आपरेशन का ब्योरा एनपीसीबीवीआइ पोर्टल पर अपलोड करना होगा। वहीं, इस अभियान के तहत अधिकाधिक गैर-सरकारी संगठनों को भी अनुबंधित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक डा. सरोज नैथानी ने बताया कि राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के संचालन के लिए समस्त जनपदों में प्रशिक्षण प्रदान कर दिया गया है। राज्य स्तर की अनुश्रवण समिति जनपदों के कार्यों की नियमित समीक्षा भी की जाएगी। डा. नैथानी ने बताया कि नेत्र सहायक समस्त विकासखंडों में चिह्नित व्यक्तियों की स्क्रीनिंग कर जिला व उप जिला चिकित्सालयों में रेफर करेंगे। जिन राजकीय चिकित्सालयों में नेत्र देखभाल संबंधित सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, वहां मानव संसाधन की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। प्रतिदिन मोतियाबिंद आपरेशन का ब्योरा एनपीसीबीवीआइ पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में देश में अंधता का प्रसार 0.36 प्रतिशत है। 2015-2018 की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, उत्तराखंड में 50 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग 66 हजार व्यक्ति अंधता एवं 64 हजार आंख के गंभीर रोग का सामना कर रहे हैं। यह भी अनुमान है कि अंधता व आंख के गंभीर रोग से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या में प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। ऐसे में राज्य को आगामी तीन वर्षों के लिए दो लाख 15 हजार 400 मोतियाबिंद आपरेशन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसमें 2022-23 में 59 हजार 800 आपरेशन होने हैं। इसी क्रम में अल्मोड़ा को 2,200, बागेश्वर को 2,000, चमोली को 2,000, चंपावत को 1,800, देहरादून को 10,000, हरिद्वार को 11,000, नैनीताल को 5,800, पौड़ी गढ़वाल को 6,000, पिथौरागढ़ को 2,000, रूद्रप्रयाग को 3,000, टिहरी गढ़वाल को 2,800, ऊधमसिंह नगर को 8500 व उत्तरकाशी को 2,700 आपरेशन का लक्ष्य दिया गया है। बता दें, वर्तमान में राज्य में 49 नेत्र सर्जन, 102 दृष्टिमित्रि और 17 अनुबंधित निजी चिकित्सालय/ गैर सरकारी संगठन कार्यरत हैं। साथ ही चार राजकीय मेडिकल कालेज, दो निजी मेडिकल कालेज और एम्स ऋषिकेश में भी नेत्र रोग विभाग क्रियाशील हैं।

- राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के तहत मोतियाबिंद के आपरेशन का लक्ष्य किया गया तय
- नेत्र सहायक चिह्नित व्यक्तियों की स्क्रीनिंग कर जिला व उप जिला चिकित्सालयों में रेफर करेंगे
- राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के तहत किए जाएंगे आपरेशन

उत्तराखंड की खबरें पढ़ें www.jagran.com/state/uttarakhand

उत्तराखण्ड को तीन वर्षों के लिए मिला 215400 मोतियाबिन्द ऑपरेशन का लक्ष्य

■ प्रदेश में दृष्टिविहीनता से ग्रसित लोगों में आ रही कमी: डॉ. सरोज

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भारत सरकार के अंतर्गत चल रहे राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम एवं दृष्टिविहीनता (एनपीसीबी) का असर उत्तराखंड में भी देखने को भी मिल रहा है। जिसके तहत प्रदेश में दृष्टिहीनता से ग्रसित व्यक्तियों में कमी आ रही है।

दरअसल भारत सरकार के नेत्र ज्योति अभियान के तहत आगामी तीन वर्षों (2022-25) में राज्य में मोतियाबिन्द ऑपरेशन कर प्रदेश को अंधता और गंभीर दृष्टिविहीनता से ग्रसित लोगों को मुक्त किया जाना है।

इस अभियान के बारे में डा. सरोज नैथानी, निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तराखंड द्वारा बताया गया कि वर्तमान में देश में अंधता का प्रसार 0.35 प्रतिशत है,

जिसमें सर्वे रिपोर्ट (2015-2018) के अनुसार उत्तराखण्ड में 50 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग 66 हजार व्यक्ति अंधता एवं 64 हजार व्यक्ति नेत्रों के गंभीर रोग का सामना कर रहें है। साथ ही यह भी अनुमान है कि अंधता व नेत्रों के गंभीर रोग से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या में प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है।

डा. सरोज नैथानी ने बताया उत्तराखण्ड राज्य को आगामी 3 वर्षों के लिए 2 लाख 15 हजार 4 सौ मोतियाबिन्द ऑपरेशन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसमें वर्ष 2022-23 के लिए 59 हजार 8 सौ मोतियाबिन्द ऑपरेशन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसमें वर्ष 2022-23 के लिए जनपद अल्मोडा को 2,200, बागेश्वर 2,000, चमोली 2,000, चम्पावत 1,800, देहरादून 10,000, हरिद्वार 11,000, नैनीताल 5,800, पौड़ी गढ़वाल 6,000, पिथौरागढ़ 2,000, रूद्रप्रयाग 3,000, टिहरी गढवाल 2,800, ऊधम सिंह नगर 8500 व उत्तरकाशी 2,700 के औसतन लक्ष्य निर्धारित किये गये है।

आपको बता दें कि राज्य में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान चलाये जाने के लिए कार्ययोजना तैयार की गयी है, समस्त विकासखण्डों में चिन्हित व्यक्तियों को नेत्र सहायक द्वारा स्क्रीनिंग कर जिला/उप-जिला चिकित्सालयों में प्रतिदिन उपचार के लिए सन्दर्भित किया जायेगा एवं समस्त राजकीय चिकित्सालयों में जहां पर नेत्र देखभाल संबंधित सेवाएं प्रदान की जाती है।

वहां पर मानव संसाधन की तैनाती सुनिश्चित करते हुए प्रतिदिन मोतियाबिन्द ऑपरेशन करते हुए समस्त ब्यौरा एनपीसीबीवीआई पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा। इसके अलावा अधिक से अधिक गैर-सरकारी संगठनों को अनुबन्धित करते हुये मोतियाबिन्द ऑपरेशन किये जायेगे। साथ ही निजी चिकित्सालयों एवं आयुष्मान भारत व अन्य किसी बीमा योजना के अन्तर्गत अनुबंधित चिकित्सालय जो कि नेत्र देखभाल संबंधित सेवाएं प्रदान कर रहें है उन्हें भी एनपीसीबीवीआई पोर्टल पर मोतियाबिन्द ऑपरेशन का ब्यौरा अपलोड किया जाना अनिवार्य होगा। वर्तमान में राज्य में कुल 49 नेत्र शल्यक, 102 दृश्टिमितिज्ञ तथा 17 अनुबंधित निजी चिकित्सालय/गैर सरकारी संगठन कार्यरत है। साथ ही 04 राजकीय मेडिकल कालेज, 02 निजी मेडिकल कालेज तथा एक एम्स स्थित है जहां पर नेत्र रोग विभाग क्रियाशील हैं।

राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के सफल संचालन के लिए समस्त जनपदों को प्रशिक्षण प्रदान कर दिया गया है व अभियान का कार्य भी प्रारम्भ हो चुका है। राज्य स्तर से अनुश्रवण समिति द्वारा जनपदों के द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा भी की जायेगी एवं आगामी 03 वर्षों तक राज्य में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के अन्तर्गत राज्य/जनपद/ब्लॉक स्तर के ने निरन्तर प्रयास किये जायेंगे।

जी
क

शाह ट
देहरादून। वि
अवसर पर
जागरूकता
वन प्रभाग
अभियान चल
कार्यक्र
एस. फारूख
पर्यावरण दि
गया था अ
दिलाता है वि
को हमेशा ह
है क्योंकि ए
वातावरण ह

महाराज जी के राज्याभिषेक
जाने वाले हिन्दू साम्राज्य दि
हार्दिक बधाई एवं शुभकामन

तीन साल में मोतियाबिंद के दो लाख आपरेशन किए जाएंगे

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य को किया जा रहा दृष्टि विहीनता से मुक्त

राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम एवं दृष्टिविहीनता (एनपीसीबी) का असर उत्तराखंड में भी देखने को भी मिल रहा है। इसके तहत प्रदेश में दृष्टिहीनता से ग्रसित व्यक्तियों में कमी आ रही है।

भारत सरकार के नेत्र ज्योति अभियान के तहत आगामी तीन वर्षों (2022 से 25) में राज्य में मोतियाबिंद आपरेशन कर प्रदेश को अंधता और गंभीर दृष्टिविहीनता से ग्रसित लोगों को मुक्त किया जाना है। इस अभियान के बारे में एनएचएम की निदेशक डा. सरोज नैथानी ने बताया कि देश में अंधता का प्रसार 0.36 प्रतिशत है। 2015-18 की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड में 50 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग 66 हजार व्यक्ति अंधता व 64 हजार व्यक्ति नेत्रों के गंभीर रोग का सामना कर रहें हैं। अनुमान है कि अंधता व नेत्रों के गंभीर रोग से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या में प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। डा. नैथानी ने बताया कि राज्य को अगले तीन वर्षों के लिए दो लाख 15 हजार 400 मोतियाबिंद के आपरेशन करने का लक्ष्य मिला है। इसमें 2022-23 में 59,800 मोतियाबिंद के आपरेशन किए जाने हैं।

इसमें अल्मोडा को 2200, बागेश्वर को 2000, चमोली को 2000, चंपावत को 1800, देहरादून को 10,000, हरिद्वार को 11,000, नैनीताल को 5800, पौड़ी को 6000, पिथौरागढ़ को 2000, रुद्रप्रयाग को 3000, टिहरी को 2800, ऊधमसिंहनगर को 8500 और उत्तरकाशी को 2700 मोतियाबिंद के आपरेशन करने का लक्ष्य दिया गया है। बताया कि राज्य में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के लिए कार्ययोजना तैयार है। इसके लिए सभी विकाखंडो में चिह्नित व्यक्तियों को नेत्र सहायक द्वारा स्क्रीनिंग कर जिला व उप जिला चिकित्सालयों में प्रतिदिन उपचार हेतु संदर्भित किया जाएगा। सभी राजकीय चिकित्सालयों में जहां पर नेत्र देखभाल से संबंधित सेवाएं प्रदान की जाती है वहां पर मानव संसाधन की तैनाती सुनिश्चित करते हुए प्रतिदिन मोतियाबिंद के आपरेशन कर ब्योरा एनपीसीबी के पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। गैर-सरकारी संगठनों को अनुबंधित करते हुए मोतियाबिंद आपरेशन किए जाएंगे।

निजी चिकित्सालयों व आयुष्मान भारत तथा अन्य किसी बीमा योजना के अंतर्गत अनुबंधित चिकित्सालय जो कि नेत्र देखभाल से संबंधित सेवाएं प्रदान कर रहें है उन्हें भी एनपीसीबीबीआई पोर्टल पर मोतियाबिंद आपरेशन का ब्योरा अपलोड करना अनिवार्य होगा।

खाद्य तेल का तीन बार से अधिक